MA · 4th

Total number of printed pages–4

14 (HIN–1) 1036

2019

HINDI

Paper : HIN-1036

(Hindī Kā Upanyās Sāhitya)

(हिन्दी का उपन्यास साहित्य)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित अवतरणों में से ***किन्हीं दो*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) द्वेष का मायाजाल बड़ी-बड़ी मछलियों को ही फँसाता है। छोटी मछलियाँ या तो उसमें फँसती ही नहीं या तुरन्त निकल जाती हैं। उनके लिए वह घातक जल-क्रीड़ा की वस्तु है, भय की नहीं। भाइयों से होरी की बोलचाल बन्द थी; पर रूपा दोनों घरों में आती-जाती थी। बच्चों से क्या बैर!

Contd.

(ख) कहते हैं कि मानव अपने बंधन आप बनाता है; पर जो बन्धन उत्पत्ति के समय से ही उसके पैरों में पड़े होते हैं और जिनके काटने भर में अनेकों के जीवन बीत जाते हैं, उनका उत्तरदायी कौन है?

(ग) शरतबाबू के उपन्यासों की यह नारी अपने विश्वास पर अडिग होकर आज भी आगे बढ़ रही है; रूप बदल दो, नाम बदल दो, समय बदल दो, जगह बदल दो, पर यह कभी बदल नहीं सकती।

(घ) वही सातवाँ घोड़ा हमारी पलकों में भविष्य के सपने और वर्तमान के नवीन आकलन भेजता है ताकि हम वह रास्ता बना सकें जिन पर होकर भविष्य का घोड़ा आयेगा; इतिहास के वे नये पन्ने लिख सकें जिन पर अश्वमेध का दिग्विजयी घोड़ा दौड़ेगा।

2. ***किन्हीं तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×3=36

(क) नामकरण की सार्थकता की दृष्टि से 'गोदान' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'गोदान' उपन्यास में गोबर की भूमिका और उसकी चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'शेखर : एक जीवनी', एक उपन्यास है या जीवनी? सतर्क उत्तर कीजिए।

(घ) लछमी की चारित्रिक विशेषताओं का खुलासा कीजिए।

(ङ) आँचलिक उपन्यास की विशेषताओं के आधार पर 'मैला आँचल' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

(च) पहली दोपहर को माणिक मुल्ला द्वारा सुनायी गयी कहानी के आधार पर बताइए कि — जमुना का नमक माणिक ने कैसे अदा किया?

3. ***किन्हीं तीन*** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 4×3=12

(क) "मैं वह भोजन चाहता हूँ, जिससे आत्मा की तृप्ति हो। उत्तेजक और शोषक पदार्थों की मुझे जरूरत नहीं।" — किसने, किससे और कब ऐसा कहा था?

(ख) धनिया की *किन्हीं चार* चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

(ग) शारदा के साथ शेखर का कैसा संबंध था?

(घ) बालदेव का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) "मैं इसी नक्शे के किसी हिस्से में रहना चाहता हूँ। यह देखिए, यह है सहरसा का वह हिस्सा, जहाँ हर साल कोशी का तांडव नृत्य होता है।" — इस कथन का सन्दर्भ एवं आशय स्पष्ट कीजिए।

(च) "ऐसा लगा कि जैसे सभी रसों की परिणति शान्त या निर्वेद में होती है, वैसे ही उस अभागिन के जीवन के सारे संघर्ष और पीड़ा की परिणति मातृत्व से प्लावित, शान्त, निष्कम्प दीपशिखा के समान प्रकाशमान, पवित्र, निष्कलंक वैधव्य में हुई।" — इस कथन में संकेतित अभागिन कौन है? कथन के औचित्य पर टिप्पणी कीजिए।